Programme Project Report (PPR), Department of History, MAHI-21 (M.A. History)

(a) **Programme's mission & objective :**The mission & objectives of the programme MAHI-21 are as follow-

The broadest mission of the department of history is consistent with the mission of the university; that is to prepare learners for responsible citizenship. The Department of History fulfills Uttarakhand Open University's mission of promoting liberal learning and liberal education through transmittal of a sense of the past to new generations, especially the multiple heritages of the peoples of Uttarakhand as well of India; transformation of academically ambitious learners into lifelong, independent learners, responsible, morally committed professionals, and thoughtful citizens and presentation of new scholarly research in the self learning material.

(b) **Relevance of the programme with HEI's Mission and Goals :**The programme MAHI-21 has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University.

(c) **Nature of prospective target group of learners :**The target group of learners is especially the people of Uttarakhand who are either unable to achieve higher education through regular mode or are situated in the far flung areas of Uttarakhand having no access to the traditional higher educational institutions. The focus is always on women, minorities, rural dwellers, tribals, persons of lower income group and differently-abled persons. The Programme would be of great use for both the teachers working in schools, personnel working in various institutions associated with history and culture (museums, archives, archaeological survey etc.) and working people in various organizations and all graduates who are desirous of acquiring a Masters Degree in History.

(d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** MAHI-21 programme has all the components of self learning to provide over all knowledge of history to the learners. The curriculum offers various streams of history ie; Ancient Indian History, Medieval Indian History, Modern Indian History, National Movement, Indian Culture, Historiography, World History and Society & Culture of Uttarakhand.

M.A. History एम0ए0इतिहास

MAHI-21
Credits-64

Course Code	Course Name	Credits	Total Marks (Th./Assign.)
	SEMESTER I		
MAHI-501	विश्व का इतिहास : 16वीं सदी के प्रारंभ से 1776 ईस्वी तक	04	100 (70/30)
MAHI-502	विश्व का इतिहास: 1789 ईस्वी से 1945 ईस्वी तक	04	100 (70/30)
MAHI-503	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन: स्वतंत्रता के लिए संघर्ष	04	100 (70/30)
MAHI-504	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन: राष्ट्र- निर्माण की भूमिका	04	100 (70/30)
	SEMESTER II		
MAHI-505	आधुनिक उत्तराखण्ड में समाज	04	100 (70/30)
MAHI-506	आधुनिक उत्तराखण्ड में अर्थव्यवस्था	04	100 (70/30)
MAHI-507	इतिहास लेखन: प्राचीन एवं मध्यकालीन	04	100 (70/30)
MAHI-508	इतिहास लेखन: आधुनिक	04	100 (70/30)
	SEMESTER III		
MAHI-601	भारत का इतिहास: छठी सदी ईस्वी पूर्व से तृतीय सदी ईस्वी के मध्य तक	04	100 (70/30)
MAHI-602	भारत का इतिहास: चतुर्थ सदी ईस्वी से सातवीं सदी ईस्वी के मध्य तक	04	100 (70/30)
MAHI-603	भारत का इतिहास: सातवीं सदी ईस्वी से सोलहवीं सदी ईस्वी के प्रथम चतुर्थांश तक	04	100 (70/30)
MAHI-604	भारत का इतिहास: सोलहवीं सदी ईस्वी के प्रारंभ से अठारहवीं सदी ईस्वी के मध्य तक	04	100 (70/30)
	SEMESTER IV		
MAHI-605	भारत का इतिहास: अठारहवीं सदी ईस्वी से उन्नीसवीं सदी ईस्वी के मध्य तक	04	100 (70/30)
MAHI-606	भारत का इतिहास: उन्नीसवीं सदी ईस्वी के मध्य से स्वतन्त्र भारत तक	04	100 (70/30)
MAHI-607	भारतीय संस्कृति: प्राचीन काल से राजपूत काल तक	04	100 (70/30)
MAHI-608	भारतीय संस्कृति: सल्तनत काल से आधुनिक काल तक	04	100 (70/30)

After thorough learning of the curriculum the learner shall have proper understanding of history and shall be able to analyze the past events in their logical manner. The learners shall be ready for further higher education in the field of history. Detailed syllabi are enclosed at the end.

(e) **Instructional Design :** The Dept. of History has developed courses in such a manner that provide the learners to the knowledge of local, national as well as World history, prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices & pedagogical tools have been applied for making curriculum. The Curriculum in each paper is divided in blocks and further divided in units. The Units consist of many small chunks so that the learner could understand easily, first the unit introduces the theme of learning, then the objectives of the theme are clarified and the theme is provided in small chunks. For checking students' progress small exercises are

provided in the units. Summary of the theme is given, glossary, reference, suggested readings are also provided in the Unit. The duration of the programme is minimum 02 years and maximum 06 years. The programme consists of 16 courses of 04 credits each. One Professor, One Associate Professor and one Assistant Professor are in the faculty. The learning material is made in the print as well as in the soft form along with video lectures. The learners are

(a) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation :** The admissions for the programme are opened in the winter and summer sessions each year. The minimum

(b) Eligibility for admission in MAHI-21 is Graduation in any stream. Total fee for the first semester is Rs.3150/- and Rs.3000/- for the second semester, for the third semester year Rs.3000/- for the fourth semester Rs. 3500/- . The printed learning material is sent to the learners by the University. The soft copy of the material is up loaded in the website also. The learner's progress is checked by assessing the assignments. The assignments of the learners are evaluated in the study centers as well as by the faculty.

(c) **Requirement of laboratory support and Library Resources:** Laboratory work is not done in MAHI-21 programme though University has a library containing history books..

(d) **Cost estimate of the programme and the provision:** About Rs. 17 lakh is estimated for the development of M.A.(History) programme.

(e) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome:** The Dept. of History reviews its programme time to time through its expert committee, board of studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design.

मास्टर ऑफ आर्ट्स (हिस्ट्री)
प्रथम सेमेस्टर
विश्व का इतिहास: 16वीं सदी के प्रारंभ से 1776 ईस्वी तक
एमएएचआई – 501

ब्लाक एक

इकाई एक- यूरोप में सामन्तवाद का पतन और पूंजीवाद का आरंभ

इकाई दो- यूरोपीय पुनर्जागरण

इकाई तीन- भौगोलिक खोजें, औपनिवेशीकरण और दास-व्यापार

ब्लाक दो

इकाई एक- यूरोप में वाणिज्यवाद और व्यापारिक क्रांति

इकाई दो- धर्म सुधार आन्दोलन

इकाई तीन- वैज्ञानिक क्रांति

ब्लाक तीन

इकाई एक- यूरोपीय निरंकुश राष्ट्रीय राज्य

इकाई दो- इग्लैंण्ड में संसदीय संस्थाओं का विकास

इकाई तीन- प्रबोधन

इकाई चार- अमेरिकी क्रान्ति एवं उसका महत्व

प्रथम सेमेस्टर
विश्व का इतिहास: 1789 ईस्वी से 1945 ईस्वी तक
एमएएचआई – 502

ब्लाक एक

इकाई एक - फ्रान्सीसी क्रांति (1789-1815)

इकाई दो - कृषि क्रांति एवं औद्योगिक क्रांति

इकाई तीन - इटली और जर्मनी का एकीकरण

ब्लाक दो

इकाई एक- साम्राज्यवाद और अफ्रीका का विभाजन

इकाई दो - जापान का आधुनिक राज्य के रूप में उदय,जापानी साम्राज्यवाद का प्रारंभ

इकाई तीन- प्रथम विश्वयुद्ध के कारण और परिणाम

ब्लाक तीन

इकाई एक - रूसी क्रांति,साम्यवाद,नई आर्थिक नीति, कृषि का सामुदायीकरण और नियोजित विकास

इकाई दो - प्रथम विश्व युद्धःआर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव,पेरिस सन्धि- 1919

इकाई तीन- विश्वव्यापी आर्थिक मंदी

ब्लाक चार

इकाई एक - फासीवाद ,नाजीवाद,सैन्यवाद

इकाई दो - द्वितीय विश्वयुद्ध

प्रथम सेमेस्टर
भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन: स्वतंत्रता के लिए संघर्ष
एमएएचआई- 503

ब्लाक एक

इकाई एक- पुनर्जागरण एवं धर्मसुधार

इकाई दो- पुनर्जागरण एवं समाजसुधार

इकाई तीन- प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857: भूमिका, प्रमुख नेता एवं कारण

इकाई चार- प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857: विस्तार, परिणाम, महत्व एवं प्रकृति

ब्लाक दो

इकाई एक- आर्थिक राष्ट्रवाद का उदय एवं संवृद्धि

इकाई दो- कांग्रेस पूर्व संगठनों का उदय एवं संवृद्धि

इकाई तीन- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम चरण

इकाई चार- बंगाल विभाजन तथा स्वदेशी आन्दोलन

ब्लाक तीन

इकाई एक- क्रान्तिकारी चरमपंथ

इकाई दो- प्रथम विश्वयुद्ध, रूसी क्रान्ति तथा भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

इकाई तीन- होमरूल लीग, खिलाफ़त आन्दोलन तथा असहयोग आन्दोलन

इकाई चार- क्रान्तिकारी आन्दोलन - संवृद्धि, विचारधारा एवं उपलब्धियां

ब्लाक चार

इकाई एक- स्वराज्य पार्टी एवं साइमन कमीशन

इकाई दो- सविनय अवज्ञा आन्दोलन, नमक सत्याग्रह एवं गोलमेज़ सम्मेलन

इकाई तीन- प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस, व्यक्तिगत सत्याग्रह एवं भारत छोड़ो आन्दोलन

इकाई चार- वेवेल योजना तथा शिमला सम्मेलन

प्रथम सेमेस्टर

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन: राष्ट्र- निर्माण की भूमिका

एमएएचआई – 504

ब्लाक एक

इकाई एक- कैबिनेट मिशन एवं अन्तरिम सरकार

इकाई दो- आईएनए तथा रॉयल नेवी विद्रोह

इकाई तीन - देशी राज्यों में आन्दोलन

ब्लाक दो

इकाई एक- माउण्टबैटन योजना, भारत का विभाजन तथा परिणाम

इकाई दो- राष्ट्रीय आन्दोलन के काल में किसान एवं जनजातियां

इकाई तीन- भारत में समाजवादी विचारों का विकास

ब्लाक तीन

इकाई एक- भारत में साम्प्रदायिकता का विकास

इकाई दो- राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रवासी भारतीयों की भूमिका

इकाई तीन- राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका

ब्लाक चार

इकाई एक- राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रेस (समाचार पत्रों की भूमिका)

इकाई दो- भारत में संवैधानिक विकास (1861, 1909, 1919 तथा 1935 के अधिनियम)

इकाई तीन- भारत में ब्रिटिश शासन का प्रभाव

द्वितीय सेमेस्टर

आधुनिक उत्तराखण्ड में समाज

एमएएचआई – 505

इकाई एक- उत्तराखण्ड की सामाजिक संरचना

इकाई दो- उत्तराखण्ड में विवाह, परिवार, नातेदारी और स्त्रियों की प्रस्थिति

इकाई तीन- उत्तराखण्ड में सामाजिक नियन्त्रण

इकाई चार- उत्तराखण्ड में सामाजिक परिर्वतन और आधुनिकीकरण
इकाई पांच- उत्तराखण्ड की सामाजिक समस्याऐं
इकाई छह- उत्तराखण्ड का धार्मिक जीवन
इकाई सात- उत्तराखण्ड:कला,साहित्य एवं संगीत

द्वितीय सेमेस्टर

आधुनिक उत्तराखण्ड में अर्थव्यवस्था

एमएएचआई – 506

इकाई एक- मानवीय संसाधन एवं जनसंख्या
इकाई दो- गरीबी और बेरोजगारी
इकाई तीन - क्षेत्रीय असमानता एवं जनजातीय विकास
इकाई चार - प्राकृतिक संसाधन
इकाई पांच - उत्तराखण्ड अर्थव्यवस्था की विशेषताएं
इकाई छह - पर्यटन उद्योग एवं पर्यावरण
इकाई सात - ग्रामोद्योग का विकास एवं प्रमुख समस्याएँ
इकाई आठ - औद्योगिक संरचना एवं औद्योगिक नीति

द्वितीय सेमेस्टर

इतिहास लेखन: प्राचीन एवं मध्यकालीन

एमएएचआई – 507

ब्लाक एक

इकाई एक- इतिहास: अर्थ, महत्व एवं प्रकृति
इकाई दो- इतिहास का विषय क्षेत्र
इकाई तीन- ऐतिहासिक व्याख्या: अर्थ, प्रकृति, सिद्धान्त, प्रकार एवं विशेषताऐं

ब्लाक दो

इकाई एक- इतिहास में पूर्वाग्रह या झुकाव तथा वस्तुपरकता की समस्या
इकाई दो- इतिहास की पुराण परम्परा
इकाई तीन- भारत में जीवनी साहित्य का विकास

ब्लाक तीन

इकाई एक- प्राचीन इतिहास लेखन: हेरोडोटस, थ्यूसीडाइड्स

इकाई दो- मध्यकालीन चर्च और इतिहास लेखन: टेसीटस, सन्त ऑगस्टाइन

इकाई तीन- इस्लामी परंपराऐं और इब्न खाल्दून, मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन: कल्हण,
बरनी,अबुल फजल, बदायूंनी

द्वितीय सेमेस्टर
इतिहास लेखन: आधुनिक
एमएएचआई – 508

ब्लाक एक

इकाई एक- आधुनिक इतिहास लेखन-आदर्शवादी दृष्टिकोण

इकाई दो - आधुनिक इतिहास लेखन- प्रत्यक्षवाद

इकाई तीन- आधुनिक इतिहास लेखन- मार्क्सवाद

ब्लाक दो

इकाई एक- आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन: औपनिवेशिक इतिहासकार

इकाई दो- आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन: राष्ट्रवादी इतिहासकार

इकाई तीन- भारत में मार्क्सवादी, सबल्टर्न इतिहास लेखन

ब्लाक तीन

इकाई एक- इतिहास का दर्शन: ओसवाल्ड स्पैंग्लर

इकाई दो- इतिहास का दर्शन: आरनोल्ड जे0 टॉयनबी

इकाई तीन- इतिहास का दर्शन: जोहन गोटफ्राइड हर्डर

ब्लाक चार

इकाई एक- इतिहास एवं अन्य सम्बद्ध विषय

इकाई दो- इतिहास के स्रोत

इकाई तीन- मौखिक इतिहास

तृतीय सेमेस्टर
भारत का इतिहास: छठी सदी ईस्वी पूर्व से तृतीय सदी ईस्वी के मध्य तक
एमएएचआई – 601

ब्लाक एक

इकाई एक- मगध का उत्कर्ष

इकाई दो- छठी सदी ईस्वी पूर्व के गणतन्त्र तथा उनकी प्रशासनिक प्रणाली

इकाई तीन- चन्द्रगुप्त मौर्य और बिन्दुसार

ब्लाक दो

इकाई एक- अशोक

इकाई दो- मौर्य कालीन प्रशासन,स्थापत्य ,कला एवं मौर्य साम्राज्य का पतन

इकाई तीन- संगमकालीन दक्षिण भारत तथा संगम साहित्य

ब्लाक तीन

इकाई एक - शुंग एवं कण्व वंश

इकाई दो- आन्ध्र या सातवाहन वंश तथा दक्षिणापथ की राजनैतिक स्थिति

इकाई तीन- पश्चिमी भारत के शक क्षत्रप

ब्लाक चार

इकाई एक- कुषाणों का उदय

इकाई दो- कनिष्क प्रथम एवं उसकी उपलब्धियां

इकाई तीन- कुषाण साम्राज्य का विस्तार

तृतीय सेमेस्टर

भारत का इतिहास: चतुर्थ सदी ईस्वी से सातवीं सदी ईस्वी के मध्य तक

एमएएचआई – 602

ब्लाक एक

इकाई एक- गुप्त वंश का उद्भव, प्रारम्भिक इतिहास एवं चन्द्रगुप्त प्रथम

इकाई दो - समुद्रगुप्त एवं उसकी उपलब्धियां

इकाई तीन- चन्द्रगुप्त द्वितीय एवं उसकी उपलब्धियां

ब्लाक दो

इकाई एक - कुमार गुप्त प्रथम, स्कन्ध गुप्त उसकी उपलब्धियां

इकाई दो- गुप्त प्रशासनिक व्यवस्था

इकाई तीन- गुप्त साम्राज्य का पतन

ब्लाक तीन

इकाई एक - वाकाटक एवं उनके गुप्त शासकों के साथ सम्बन्ध

इकाई दो - मौखरी राज्य

इकाई तीन- हर्ष कालीन भारत

तृतीय सेमेस्टर

भारत का इतिहास: सातवीं सदी ईस्वी से सोलहवीं सदी ईस्वी के प्रथम चतुर्थांश तक

एमएएचआई – 603

ब्लाक-एक

इकाई एक- राजपूतों का उदय तथा भारतीय सामंतवाद- विविध दृष्टिकोण

इकाई दो - हर्षोत्तर उत्तर भारत की राजनीतिक,सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति

इकाई तीन- पल्लव,चालुक्य,चोल कालीन दक्षिण भारत

ब्लाक दो

इकाई एक- तुर्क आक्रमण: परिस्थितियां, कारण एवं परिणाम

इकाई दो- मामलुक सुल्तान

इकाई तीन- दिल्ली सल्तनत का विस्तार: खिलजी वंश

ब्लाक तीन

इकाई एक- दिल्ली सल्तनत की पराकाष्ठा: तुगलक वंश

इकाई दो- दिल्ली सल्तनत का पतन: सैयद तथा लोदी वंश

इकाई तीन- विजय नगर साम्राज्य, बहमनी साम्राज्य

ब्लाक चार

इकाई एक - सल्तनत काल में राज्य तथा सम्प्रभुता

इकाई दो- सल्तनत कालीन सैनिक तथा प्रशासनिक प्रणाली

इकाई तीन- शर्की वंश

तृतीय सेमेस्टर

भारत का इतिहास: सोलहवीं सदी ईस्वी के प्रारंभ से अठारहवीं सदी ईस्वी के मध्य तक

एमएएचआई – 604

ब्लाक एक

इकाई एक- मुगल साम्राज्य की स्थापना: बाबर एवं हुमायूं

इकाई दो- शेरशाह, इस्लामशाह तथा सूरी सैनिक प्रशासन

इकाई तीन- मुगल साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार: अकबर, जहांगीर

ब्लाक दो

इकाई एक - मुगल साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार: शाहजहां औरंगजेब

इकाई दो- मुगलों की धार्मिक नीति

इकाई तीन:- मराठों का उदय: शिवाजी की उपलब्धियां

ब्लाक तीन

इकाई एक - मुगलों के विरूद्व विद्रोह

इकाई दो- मुगल साम्राज्य का पतन

इकाई तीन- साम्राज्य का विघटन और उत्तराधिकारी राज्य

चतुर्थ सेमेस्टर

भारत का इतिहास: अठारहवीं सदी ईस्वी से उन्नीसवीं सदी ईस्वी के मध्य तक

एमएएचआई – 605

ब्लाक एक

इकाई एक- 18वींशताब्दी का भारत: राजनीतिक परिदृश्य

इकाई दो- अंग्रेजों की भारत विजय: एक विमर्श

इकाई तीन- ब्रिटिश सत्ता का विस्तार: विचारधारा एवं वाणिज्यवाद

ब्लाक दो

इकाई एक- ब्रिटिश विस्तार की नीतियां एवं कार्यक्रम, विस्तार के उपकरण: युद्ध एवं कूटनीति

इकाई दो- आंग्ल-फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा: कर्नाटक युद्ध

इकाई तीन- बंगाल में अंग्रेजी सत्ता की स्थापना(प्लासी से 1772 तक)

ब्लाक तीन

इकाई एक- आंग्ल-मराठा संघर्ष

इकाई दो- लार्ड हेस्टिंग्स और ब्रिटिश सर्वोच्चता

इकाई तीन- विलियम बैंटिंक

चतुर्थ सेमेस्टर

भारत का इतिहास: उन्नीसवीं सदी ईस्वी के मध्य से स्वतन्त्र भारत तक

एमएएचआई – 606

ब्लाक एक

इकाई एक- रणजीत सिंह: जीवन एवं उपलब्धियां

इकाई दो- लार्ड डलहौजी

इकाई तीन- लोकप्रिय जनजातीय तथा असैनिक विद्रोह

ब्लाक दो

इकाई एक- 1857 का विद्रोह

इकाई दो- आंग्ल-अफगान संबंध

इकाई तीन- औपनिवेशिक भारत: प्रशासनिक संरचना

ब्लाक तीन

इकाई एक- क्राउन का भारत के प्रशासन पर नियंत्रण: केन्द्रीय, प्रांतीय एवं जनपद प्रशासन

इकाई दो- : ब्रिटिश सत्ता का रजवाड़ों के साथ संबंध

इकाई तीन- भारत एवं पड़ोसी देश: तिब्बत, नेपाल ,बर्मा , फारस एवं फारस की खाड़ी

ब्लाक चार

इकाई एक- भारत पर ब्रिटिश शासन का प्रभाव

इकाई दो - स्वतंत्र भारत: देशी रियासतों का विलय

इकाई तीन- स्वतंत्र भारत: पड़ोसी देशों से संबंध: पाकिस्तान, चीन, नेपाल,बर्मा एवं श्रीलंका

चतुर्थ सेमेस्टर
भारतीय संस्कृति: प्राचीन काल से राजपूत काल तक
एमएएचआई – 607

ब्लाक एक

इकाई एक- संस्कृति का अर्थ, प्रकृति, तत्व , सभ्यता और संस्कृति

इकाई दो- भारतीय संस्कृति की विशेषताएं

इकाई तीन- प्राचीन भारतीय कला की प्रमुख विशेषताऐं

ब्लाक दो

इकाई एक- सिन्धु सभ्यता की सांस्कृतिक विशेषताऐं

इकाई दो- वैदिक संस्कृति

इकाई तीन- बुद्ध कालीन संस्कृति

ब्लाक तीन

इकाई एक- मौर्यकालीन

इकाई दो- कुषाण-शुंग-सातवाहन कालीन संस्कृति

इकाई तीन- गुप्तकालीन संस्कृति

ब्लाक चार

इकाई एक- पल्लव कालीन संस्कृति

इकाई दो- चोल कालीन संस्कृति

इकाई तीन- राजपूत कालीन संस्कृति

चतुर्थ सेमेस्टर

भारतीय संस्कृति: सल्तनत काल से आधुनिक काल तक

एमएएचआई – 608

ब्लाक एक

इकाई एक- सल्तनत कालीन संस्कृति

इकाई दो- विजयनगर साम्राज्य की संस्कृति

इकाई तीन- मुगल कालीन संस्कृति

ब्लाक दो

इकाई एक- आधुनिक भारत: विकास यात्रा एवं विविध प्रवृत्तियां

इकाई दो- आधुनिकतावाद: कला एवं साहित्य जगत

इकाई तीन- उत्तर आधुनिकतावाद: कला,साहित्य,संगीत एवं स्थापत्य

ब्लाक तीन

इकाई एक- आधुनिक भारत में लिंग भेद एवं जाति व्यवस्था

इकाई दो- आधुनिक भारत में प्रिंट मीडिया, इलैक्ट्रोनिक मीडिया तथा सूचना क्रांति

इकाई तीन- समकालीन भारत की चुनौतियां